Headline: Conference on the Role of Libraries in a Developed India: Innovation and echnological Inclusion Are Essential in the Digital Age.

Print Coverage:

Date	Publication	Edition
24 February,2026	**Rajasthan Patrika**	All

विकसित भारत में पुस्तकालय की भूमिका पर कॉन्फ्रेंस

'डिजिटल युग में नवाचार और तकनीकी समावेशन जरूरी'

जयपुर @ पत्रिका. राजस्थान टेक्निकल लाइब्रेरी एसोसिएशन की ओर से राजधानी में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का समापन हुआ। 'विकसित भारत में पुस्तकालय की भूमिका' पर आयोजित कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश से आए पुस्तकालयाध्यक्षों, शिक्षाविद्, शोधार्थियों एवं विशेषज्ञों ने पुस्तकालय के महत्व पर चर्चा की।

आयोजन सचिव डॉ. श्रद्धा कल्ला ने बताया कि उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप राय ने पुस्तकालय के इतिहास से लेकर वर्तमान स्वरूप एवं आधुनिक तकनीकों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता डॉ. डीवी सिंह ने कहा कि सामान्य अध्ययन के साथ-साथ शोध एवं अनुसंधान से संबंधित कार्यों में पुस्तकालय का विशेष महत्व है। उन्होंने विकसित भारत के परिप्रेक्ष्य में पुस्कालय की महत्ता पर जानकारी दी।

प्रो. पीआर सोढ़ानी ने कहा कि डिजिटल युग में पुस्तकालयों को नवाचार, तकनीकी समावेशन और उपयोगकर्ता-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से स्वयं को ज्ञान कॉमन्स के रूप में स्थापित करना होगा। विशिष्ट अतिथि प्रो. राजकुमार भाकर एवं डॉ. धर्म कुमार ने भी पुस्तकालयों की प्रासंगिकता के संबंध में विचार रखे। विभिन्न वक्ताओं ने हाइब्रिड लाइब्रेरी मॉडल, सार्वजनिक स्वास्थ्य साक्षरता एवं समुदाय-आधारित ज्ञान साझेदारी पर विचार साझा किए।